भारत ने पाक को हराया

58 रनों से हराकर सेमीफाइनल में भारत ने बनाई जगह

252 रनों का पीछा करते हुए पाक 194 पर सिमटा

हरारे, 1 फरवरी भारत ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर सिक्स मुकाबले में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली. रविवार को खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारतीय टीम ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की.

कप्तान आयुष माटरे की बेहतरीन गेंदबाजी और खिलन पटेल की निर्णायक भूमिका ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया. इस जीत के साथ ही भारत ने लगातार छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. इसके अलावा, यह भारत की पाकिस्तान के खिलाफ इस टूर्नामेंट में छठी जीत भी रही, जो टीम की मजबूती और निरंतरता को दर्शाती है.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 49.5 ओवर में 252 रन बनाए. हालांकि टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी संभालते हुए पारी को संभाला. शुरुआती झटकों के बाद बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन बनाए रखा. अंतिम ओवरों में कनीष्क चौहान और खिलन पटेल ने तेज रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. दोनों बल्लेबाजों ने मुश्किल समय में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाजों पर दबाव बनाया. निचले क्रम के योगदान की बदौलत भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सका. पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजों ने बीच-बीच में विकेट लेकर वापसी करने की कोशिश की, लेकिन वे भारतीय बल्लेबाजों को पूरी तरह रोकने में नाकाम रहे.

आयुष की कप्तानी और गेंदबाजों का दबदबा

पाकिस्तान की टीम को शुरुआत में झटका लगा, जब समीर मिन्हास जल्दी आउट हो गए. इसके बाद हमजा ज़हूर और उस्मान खान ने पारी संभालने की कोशिश की. दोनों ने कुछ आकर्षक शॉट खेले, लेकिन रन रेट लगातार बढ़ता चला गया. 21 ओवर के बाद पाकिस्तान की टीम बेहद धीमी गति से रन बना रही थी, जिससे दबाव और बढ़ गया. इसी दौरान भारतीय कप्तान आयुष माटरे ने खुद गेंदबाजी का जिम्मा संभाला और मैच का रुख बदल दिया. माटरे ने अपने पहले ही ओवर में अहम विकेट झटककर टीम को सफलता दिलाई. उन्होंने कुल तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी.

अल्काराज ने जोकोविच को हराकर रचा इतिहास

अल्काराज ने जीता अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब

- मेलबर्न फाइनल में पीढ़ियों की टक्कर
- नडाल की मौजूदगी ने फाइनल बनाया यादगार

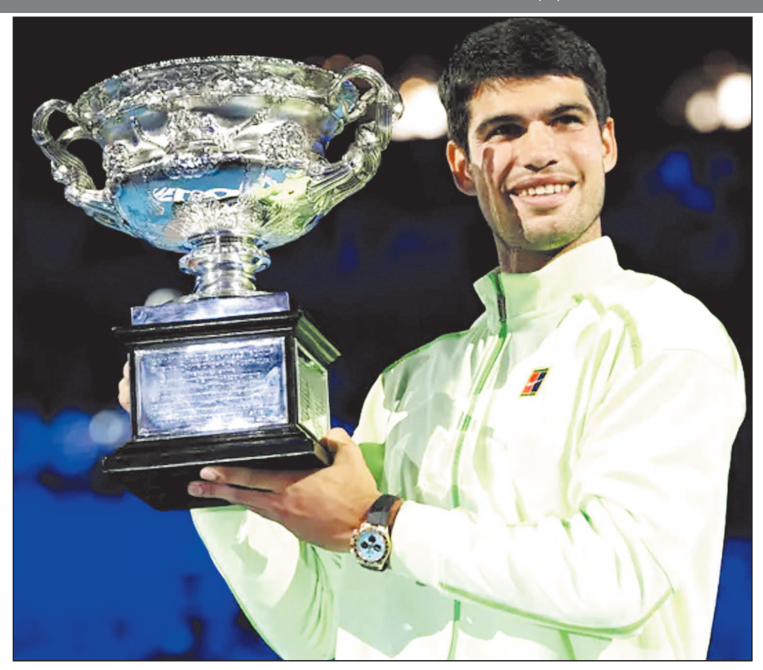

मेलबर्न, 1 फरवरी मेलबर्न पार्क के सेंटर कोर्ट पर रविवार को टेनिस इतिहास का एक और सुनहरा अध्याय लिखा गया. स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज ने चार सेटों के संघर्ष में सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लिया.

यह सिर्फ एक जीत नहीं थी, बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में टेनिस की विरासत के हस्तांतरण जैसा दृश्य था, जहां 21 साल के अल्काराज ने 38 वर्षीय जोकोविच को मात देकर इतिहास रच दिया. मैच की शुरुआत में जोकोविच ने अपने अनुभव और क्लास का प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 6-2 से आसानी से जीत लिया. ऐसा लग रहा था कि सर्बियाई खिलाड़ी अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं. लेकिन दूसरे सेट से अल्काराज ने अपनी रणनीति बदल दी. उनकी गति, ताकत और कोर्ट कवरेज ने मैच का रुख पलट दिया. उन्होंने दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया और फिर तीसरे सेट में 6-3 से बढ़त बना ली.

चौथा सेट सबसे रोमांचक रहा. दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियां, मानसिक दृढ़ता और धैर्य की परीक्षा हुई. स्कोर 5-5 पर पहुंचा तो हर अंक निर्णायक बन गया. अल्काराज ने अपने संयम को बनाए रखा और आखिरकार 7-5 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया. जीत के बाद अल्काराज जहां खुशी से झूम उठे, वहीं जोकोविच का चेहरा भावनाओं से भरा हुआ नजर आया. वह लॉकर रूम की ओर जाते हुए बेहद भावुक दिखे

जयपुर पोलो टीम ने फाइनल में जगह बनाई

जयपुर, 01 फरवरी एक रोमांचक सेमीफाइनल में, जयपुर पोलो टीम ने ऑप्टिमस अचीवर्स को 8-7 से हराकर कोग्निवेरा पोलो कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली.

मैच के चारों चक्करों में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही और दोनों तरफ से लगातार गोल होते रहे. जयपुर ने अहम आखिरी पलों में ज़्यादा संयम दिखाया, जबकि ऑप्टिमस अपनी दमदार स्ट्राइकिंग जोड़ी पर बहुत ज़्यादा निर्भर थी. आखिरकार, जयपुर का संतुलित अटैक - जिसमें लांस वॉटसन और जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह शामिल थे - जीत दिलाने में निर्णायक साबित हुआ. ऑप्टिमस अचीवर्स ने डेनियल ओटामेंडी के ज़रिए जल्दी ही स्कोरिंग शुरू की, जिन्होंने 2:40 और 5:40 पर दो गोल किए. जयपुर ने 7:05 पर लांस वॉटसन के जरिए एक गोल करके वापसी की, जिससे पहला चक्कर जयपुर 1-2 ऑप्टिमस पर खत्म हुआ. दूसरे चक्कर में, जयपुर ने एचएच जयपुर (1:50) और लांस वॉटसन (7:05) के जरिए स्कोर बराबर किया. ऑप्टिमस ने ध्रुवपाल गोदारा (4:00) के जरिए जवाब दिया, जिससे उसने मामूली बढ़त बनाए रखी. हाफटाइम तक स्कोर जयपुर 3-3 से बराबर रहा.

एक नजर में

टी20 विश्व कप ट्रॉफी रिंकू के स्कूल में पहुंची

अलीगढ़. डीपी वर्ल्ड के साथ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 ट्रॉफी टूर अलीगढ़ के दिल्ली पब्लिक स्कूल में एक रोमांचक पड़ाव पर पहुंचा, जो भारत के पूर्व बैटर रिंकू सिंह का स्कूल है। इस इवेंट को स्टूडेंट्स और फैकल्टी से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जिसमें रिंकू सिंह के माता-पिता, उनके करीबी दोस्त वसीम, स्कूल प्रिंसिपल, पवना जैन की एमडी, डीपीएस सिस्टर स्कूलों के रिप्रेजेंटेटिव और कॉलेज क्रिकेट टीम के स्टूडेंट्स शामिल हुए। स्टूडेंट्स ने क्रिकेट-थीम वाले ट्रिविया सेशन, टैप द बॉल चैलेंज और हिट द विकेट एक्टिविटीज़ में हिस्सा लिया, जिससे ट्रॉफी के आसपास एक मज़ेदार और इंटरैक्टिव माहौल बना। इस विज़िट को और भी खास बनाते हुए, स्टूडेंट्स रिंकू सिंह से लाइव वर्चुअल इंटरैक्शन के जरिए भी जुड़े, जिससे यह अनुभव पर्सनल, यादगार और इंस्पायरिंग बन गया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर 'क्लास ऑफ़ 26' पहल के तहत देश भर में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है.

देविका ने जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

बैंकॉक. भारत की देविका सिहाग ने बड़े मंच पर शानदार तरीके से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उन्होंने थाईलैंड मास्टर्स 2026 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता. उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई को हराया. 20 साल की देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं हारा और मजबूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन किया. उनका सबसे यादगार पल क्वार्टर फाइनल में आया, जहां उन्होंने टॉप सीड सुपाणिडा कैथोंग को हराया, जिससे खिताब की ओर उनके शानदार सफर की शुरुआत हुई.फाइनल में, देविका ने मलेशिया की गोह के खिलाफ पूरा कंट्रोल बनाए रखा, जो यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और दो बार की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन हैं. भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 21-8 से जीता, जिसमें उन्होंने अपने तेज अटैक और कोर्ट कवरेज का शानदार प्रदर्शन किया.

देवदत्त के नाबाद शतक ने टीम को दिलाई जीत

नयी दिल्ली. पडिक्कल शतक, कर्नाटक की नाटकीय जीत रणजी ट्रॉफी 2025-26 के सातवें और अंतिम राउंड का चौथा दिन कर्नाटक के लिए यादगार बन गया. देवदत्त पडिक्कल के नाबाद शतक ने टीम को ऐसी नाटकीय जीत दिलाई, जिसने न सिर्फ मैच का रुख पलटा बल्कि कर्नाटक को सीधे नॉकआउट में भी पहुंचा दिया. आखिरी ओवर से पहले की गेंद पर जड़ा गया छक्का और फिर रिवर्स स्वीप के साथ लिया गया डबल—इन दो शॉट्स ने कर्नाटक की किस्मत लिख दी. पडिक्कल 120 रन बनाकर नाबाद लौटे. उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल रहे. दबाव की स्थिति में खेली गई यह पारी कर्नाटक के लिए सीजन की सबसे महत्वपूर्ण पारियों में से एक साबित हुई.

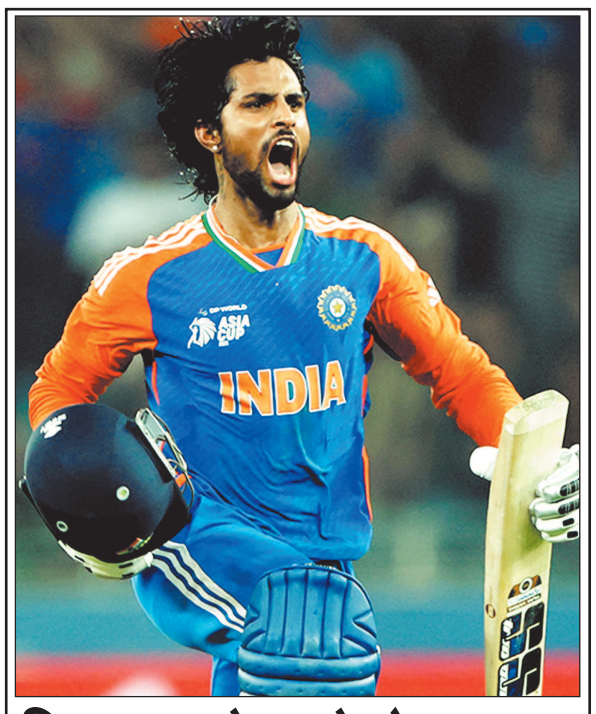

विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे तिलक वर्मा

7 को वानखेड़े स्टेडियम में होगा पहला मैच

मुंबई, 01 फरवरी भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से खेलने की मंजूरी मिल गई है और वह 2026 टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे.

जनवरी की शुरुआत में रणजी ट्रॉफ़ी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्ज़री कराने के चलते वे लगभग एक महीने से मैदान से बाहर थे. तिलक पहले 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ इंडिया ए टीम की ओर से खेलेंगे और इसके बाद 4 फरवरी को दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ भारत के अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे. भारत का 2026 टी20 विश्व कप में पहला मैच 7 फ़रवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के ख़िलाफ़ है. तिलक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए और उनकी गैरमौजूदगी में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया. सर्ज़री के बाद तिलक सीओई में रिकवरी कर रहे थे और बीसीसीआई के एक बयान में 26 जनवरी को कहा गया था कि वे अपनी रिहैबिलिटेशन में लगातार प्रगति कर रहे हैं.

फाइनल में हरियाणा से भिड़ेंगे दिल्ली वॉरियर्स

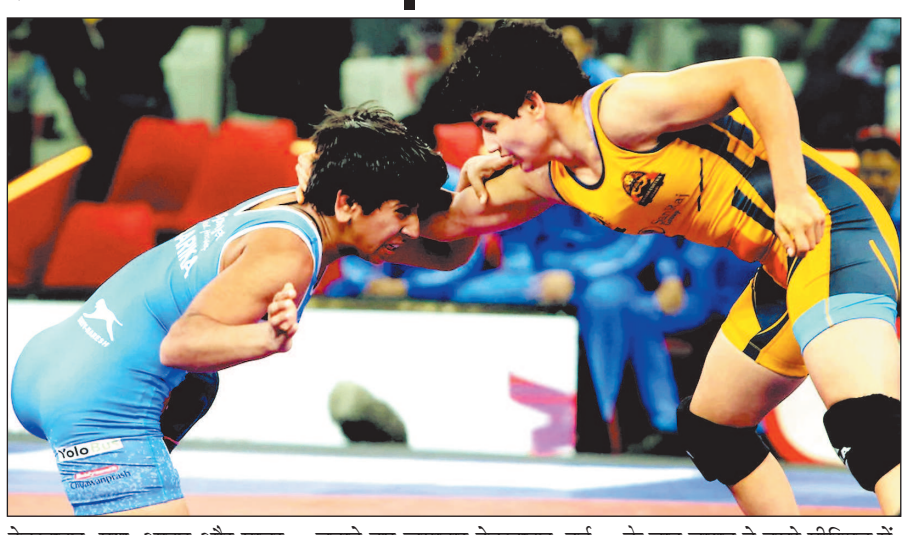

नोएडा, 01 फरवरी दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल 2 में महाराष्ट्र केसरी को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराकर प्रो रेसलिंग लीग 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. बाउट दर बाउट उतार-चढ़ाव से भरे इस मुकाबले में दिल्ली ने दबाव में संयम दिखाते हुए जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले में हरियाणा थंडर्स से टक्कर तय की.

57 किग्रा पुरुष वर्ग में शानदार वापसी जीत के लिए शुभम कौशिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि 57 किग्रा महिला वर्ग में दबदबा दिखाने वाली मनीषा भनवाला को फाइटर ऑफ द मैच का सम्मान मिला. 62 किग्रा महिला मुकाबले में अंजली के दम पर दिल्ली ने शानदार शुरुआत की. दुदोवा बिल्याना झिवकोवा के खिलाफ संयमित और सटीक प्रदर्शन करते हुए अंजली ने टेकडाउन, पुश-आउट और पावर मिनट में निर्णायक चार अंकों की चाल के साथ 12-4 से जीत दर्ज कर दिल्ली को शुरुआती बढ़त दिलाई. इसके जवाब में 57 किग्रा महिला वर्ग में महाराष्ट्र की मनीषा भनवाला ने कार्ला गोडिनेज गोंज़ालेज पर एकतरफा दबदबा बनाते हुए लगातार टेकडाउन-टर्न संयोजनों से 15-0 की टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से जीत दर्ज कर स्कोर बराबर कर दिया. हेवीवेट मुकाबले में महाराष्ट्र का पलड़ा भारी रहा, जहां कप्तान रॉबर्ट बारान ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखा. शुरुआती एक्टिविटी प्वाइंट गंवाने के बाद बारान ने दूसरे पीरियड में, खासकर पावर मिनट में, टेकडाउन और एक्सपोजर के जरिए रौनक को 11-1 से हराकर महाराष्ट्र को बढ़त दिलाई. 53 किग्रा महिला वर्ग में निशु भनवाला ने सारिका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में बढ़त को और मजबूत किया.

4-1 से सीरीज जीत विश्व कप के लिए अच्छी तैयारी

तिरुवनंतपुरम. भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से शानदार जीत हासिल की, जिससे आने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी पूरी हो गई. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक, श्रीलंका के साथ टूर्नामेंट के को-होस्ट भारत, पूरी सीरीज में ब्लैक कैप्स को हर डिपार्टमेंट में हराकर वर्ल्ड कप में अपनी तरफ से मोमेंटम के साथ उतर रहा है. भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, जो पहली बार किसी आईसीसी इवेंट में टीम की कप्तानी करेंगे, ने अपने पर्सनल फॉर्म और टीम के ओवरऑल परफॉर्मेंस दोनों पर खुशी जताई, साथ ही अच्छे नतीजों के बावजूद सीखने की अहमियत पर ज़ोर दिया.

यादगार मुकाबला ▶ पांचवें मिनट में ही लामिन यामाल ने खूबसूरत गोल कर बार्सा को दिलाई बढ़त

बार्सिलोना ने एल्चे को 3-1 से हराया

एल्चे (स्पेन), 01 फरवरी. ला लीगा के एक बेहद अजीब लेकिन यादगार मुकाबले में बार्सिलोना ने एल्चे को उसके घर एस्तादियो मैनुएल मार्तिनेज वलेरो में 3-1 से हराकर शीर्ष पर अपनी बढ़त अस्थायी रूप से चार अंकों तक पहुंचा दी.

स्कोरलाइन भले सामान्य लगे, लेकिन मैच की कहानी बिल्कुल असामान्य रही. बार्सा ने पूरे मैच में जितने साफ मौके बनाए, उतने में आमतौर पर दो अंकों का स्कोर बन जाता है. (एक्सपेक्टेड गोल) लगभग 7.00 तक पहुंच गया, पर गोल सिर्फ तीन हुए. यह उन दुर्लभ रातों में से एक थी, जब आक्रामक खेल कला जैसा दिखा, लेकिन फिनिशिंग ने साथ नहीं दिया. मुकाबले की शुरुआत से ही बार्सिलोना ने इरादे स्पष्ट कर दिए.

एल्चे ने भी रक्षात्मक खोल में सिमटने के बजाय खुलकर खेलने का फैसला किया, जिसका नतीजा यह हुआ कि उनकी बैकलाइन बार-बार खुलती गई. पांचवें मिनट में ही लामिन यामाल ने खूबसूरत गोल कर बार्सा को बढ़त दिला दी. उस पल लगा कि गोलों की झड़ी लगने वाली है. बार्सा की पासिंग धारदार थी, मूवमेंट बेहतरीन और पोजिशनिंग लाजवाब. हर कुछ मिनट में कोई न कोई खिलाड़ी गोल के सामने पहुंच रहा था, लेकिन अंतिम स्पर्श हैरान करने वाला कमजोर साबित हुआ. पहले हाफ में बार्सा ने इतने मौके गंवाए कि दर्शक भी अविश्वास में थे.

> विश्वस्तरीय खिलाड़ी आसान-से-आसान शॉट लक्ष्य पर नहीं रख पा रहे थे. एल्चे, जो चार-पांच गोल से पीछे होना चाहिए था, किसी तरह मैच में बना रहा और एक काउंटर से बराबरी का गोल भी कर गया. यह गोल मैच की कहानी के विपरीत था, लेकिन फुटबॉल की अनिश्चितता का नमूना भी. हाफ टाइम से ठीक पहले फेरान टोरेस ने गोल कर बार्सा को फिर बढ़त दिलाई, पर वास्तविकता यह थी कि स्कोर 2-1 के बजाय कम से कम 6-1 होना चाहिए था. दूसरे हाफ में भी तस्वीर बहुत नहीं बदली. बार्सा ने मौके बनाना जारी रखा, हालांकि एल्चे की डिफेंस थोड़ी सख्त दिखी.